

डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के लिये  
राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष में सेमिनार  
दिनांक 23 अगस्त 2024



“भारत की अंतरिक्ष यात्रा : मिशन चंद्रयान”



परिकल्पना और आयोजन  
सेवा पूर्व शिक्षक शिक्षा विभाग  
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रतूड़ा, रुद्रप्रयाग



जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रतूड़ा, रुद्रप्रयाग  
District Institute of Education & Training Ratura, Rudraprayag  
e-mail : [drctratura.rpg@gmail.com](mailto:drctratura.rpg@gmail.com)

डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के लिये  
राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष में सेमिनार  
‘भारत की अंतरिक्ष यात्रा : मिशन चंद्रयान’

*इस सेमिनार का उद्देश्य डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं को भारत की अंतरिक्ष यात्रा की अद्भुत उपलब्धियों से परिचित कराना और उन्हें भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए प्रेरित करना है।*

- आयोजन तिथि : 23 अगस्त 2024 (शुक्रवार)।
- कार्यशाला की अवधि : एक दिन
- प्रतिभागी की संख्या : 55 (37 डी0एल0एड0 प्रशिक्षु, 04 विषय विशेषज्ञ (विज्ञान) एवं 14 डायट संकाय सदस्य अन्य।
- आयोजक : सेवा पूर्व शिक्षक शिक्षा विभाग  
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुद्रप्रयाग।
- कार्यशाला के उद्देश्य :
  - डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं को भारत की चंद्रयान मिशनों की यात्रा, उनके उद्देश्यों, उपलब्धियों और अंतरिक्ष विज्ञान में योगदान के बारे में जानकारी प्रदान करना।
  - भारत की चंद्रयान मिशनों का इतिहास और महत्व समझाना।
  - चंद्रयान-1, चंद्रयान-2 एवं चंद्रयान-3 की प्रमुख विशेषताओं और उपलब्धियों पर चर्चा करना।
  - अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की भूमिका और भविष्य की संभावनाओं पर विचार करना।
  - प्रशिक्षुओं को अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीकी अनुसंधान के प्रति प्रेरित करना।
- चर्चा के प्रमुख विषय :
  - भारत का उपग्रह परीक्षण कार्यक्रम।
  - चंद्रयान-1 (2008) परिचय : भारत का पहला चंद्रमा मिशन। मिशन का प्रमुख उद्देश्य था चंद्रमा की सतह पर पानी के अणुओं की खोज, चंद्रमा की सतह का मैपिंग करना। इस मिशन की

प्रमुख उपलब्धियाँ रही चंद्रमा की सतह पर पानी की उपस्थिति की पुष्टि, उच्च-resolution इमेजरी।

- चंद्रयान-2 (2019) परिचय : चंद्रयान-1 के बाद भारत का दूसरा महत्वपूर्ण चंद्रमा मिशन। इसका उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग, चंद्रमा की सतह का विस्तृत अध्ययन करना था। इस मिशन के प्रमुख तत्व, ऑर्बिटर, लैंडर (विक्रम), और रोवर (प्रज्ञान)। इस मिशन की प्रमुख उपलब्धियाँ रही ऑर्बिटर द्वारा प्राप्त डेटा, लैंडर के लैंडिंग प्रयास और उसके परिणाम।
- चंद्रयान-3 और अन्य भविष्य के मिशन की योजनाएँ तथा भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण की दिशा और लक्ष्यों पर चर्चा करना।
- अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की भूमिका और भविष्य की संभावनाएँ एवं भारत के अंतरिक्ष मिशनों का वैश्विक प्रभाव

● क्रियाकलाप/गतिविधियाँ :

- प्रस्तुतिकरण : इंटरएक्टिव स्लाइड्स और वीडियो के माध्यम से मिशनों की जानकारी : प्रशिक्षुओं द्वारा
- पैनल चर्चा : डायट के विषय विशेषज्ञों के साथ चर्चा।
- प्रश्न-उत्तर सत्र : प्रशिक्षुओं के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए समय।

● अपेक्षित परिणाम :

- प्रशिक्षुओं को चंद्रयान मिशनों की तकनीकी और वैज्ञानिक जानकारी में वृद्धि।
- अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के प्रति प्रशिक्षुओं की जागरूकता और रुचि में वृद्धि।
- भविष्य में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में करियर के विकल्पों के प्रति प्रेरणा।

● जानकारी/संदर्भ के स्रोत :

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित पत्रिकाएँ और वेबसाइट्स, स्थानीय विज्ञान संग्रहालय, विश्वविद्यालय के विज्ञान विभाग।

● संसाधन एवं सामग्री :

- मानवीय संसाधन (विषय विशेषज्ञ) एवं इंटरनेट सुविधा
- सामग्री : स्मार्ट बोर्ड , चार्ट आदि।

## कार्यक्रम की विस्तृत आख्या

संस्थान में प्रथम 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। "भारत की अंतरिक्ष यात्रा : मिशन चंद्रयान" पर डी0एल0एड0 द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं द्वारा सदनवार कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सेमिनार में अरविंद घोष सदन द्वारा 'भारत का उपग्रह परीक्षण कार्यक्रम', राधाकृष्ण सदन द्वारा 'मिशन चंद्रयान – एक', सावित्रीबाई सदन द्वारा 'मिशन चंद्रयान – दो', टैगोर सदन द्वारा 'मिशन चंद्रयान – तीन' एवं गांधी सदन द्वारा 'अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की भूमिका और भविष्य की संभावनाएं और उनका वैश्विक प्रभाव' विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिए गए। प्रस्तुतीकरण काफी आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक थे।



प्रस्तुतीकरण के उपरांत प्रशिक्षुओं द्वारा 'चन्द्रयान मिशन' के विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर के मॉडल बनाकर इनकी कार्यविधि को भी प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के अंत



में एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा चंद्रयान माड्यूल पर बनाये गए वीडियो का भी प्रदर्शन किया गया। एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा ऑनलाइन आयोजित क्वीज कार्यक्रम में भी डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं द्वारा प्रतिभाग कर प्रतिभागिता प्रमाणपत्र प्राप्त किये गये। डी0एल0एड0 चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यालयों में गये छात्रों के द्वारा भी इसमें प्रतिभाग कर स्कूल के छात्रों को इसमें प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया गया।



प्रतिभागियों को 'भारत आनंद मून' वेबसाइट की जानकारी भी प्रदान की गई। डायट संकाय सदस्यों ने भारत की अंतरिक्ष परियोजनाओं और भविष्य की योजनाओं के बारे में अवगत कराया।



प्राचार्य द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रथम अंतरिक्ष दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए इस अवसर पर सुंदर और स्तरीय प्रस्तुतियां देने हेतु प्रशिक्षुओं एवं संकाय सदस्यों का धन्यवाद और आभार व्यक्त करने के उपरांत कार्यक्रम का समापन किया गया।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान  
रतूड़ा, रुद्रप्रयाग।